पाठ्य पुस्तक विकास एवं प्रकाशन समिति

प्रधान कार्यकारी अधिकारी : **श्रीमती बी. शेषु कुमारी**
निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी., आंध्र प्रदेश

कार्यकारी प्रधान आयोजक : **श्री बी. सुधाकर**
निदेशक, सरकारी पाठ्य पुस्तक प्रेस, आंध्र प्रदेश

आयोजन प्रभारी : **डॉ. एन. उपेंदर रेड्डी**
प्रोफेसर, पाठ्यक्रम व पाठ्यपुस्तक विभाग,
एस.सी.ई.आर.टी., आंध्र प्रदेश

संपादक मंडल : **प्रो. टी. वी. कट्टीमनी**
अध्यक्ष, हिंदी विभाग,
मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू विश्वविद्यालय,हैदराबाद

प्रो. शकुंतला रेड्डी
क्षेत्रीय निदेशक, केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद

प्रो. शुभदा वांजपे
उस्मानिया विश्वविद्यालय

समन्वयक : **डॉ. पी. शारदा**
हिंदी विभाग, एस.सी.ई.आर.टी., आं.प्र.

श्रीमती पी. विजयलक्ष्मी
प्राध्यापिका, आई.ए.एस.ई., नेल्लूर, आं.प्र.

शैक्षिक सलाहकार : **डॉ. रमाकांत अग्निहोत्री**
सेवानिवृत्त प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय

श्री सुवर्ण विनायक
शैक्षिक सलाहकार, एस.सी.ई.आर.टी., आं.प्र.

© SCERT not to be republished

आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा प्रकाशित, हैदराबाद

विद्या से आगे बढ़ो।
विनय से रहो।

क़ानून का आदर करो।
अधिकार प्राप्त करो।

Free Distribution by A.P. Government

© Government of Andhra Pradesh, Hyderabad.

New Edition

First Published 2012

All rights reserved.

No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted, in any form or by any means without the prior permission in writing of the publisher, nor be otherwise circulated in any form of binding or cover other than that in which it is published and without a similar condition including this condition being imposed on the subsequent purchaser.

The copy right holder of this book is the Director of School Education, Hyderabad, Andhra Pradesh.

This Book has been printed on 80 G.S.M. SS Maplitho Title Page 200 G.S.M. White Art Card

ఆంధ్రప్రదేశ్ ప్రభుత్వం వారిచే ఉచిత పంపిణీ

© SCERT not to be republished

Printed in India
at the Andhra Pradesh Govt. Text Book Press,
Mint Compound, Hyderabad,
Andhra Pradesh.

— o —

सहभागी गण

डॉ. पी. शारदा
हिंदी विभाग,
एस. सी. ई. आर. टी., आंध्र प्रदेश

श्री सय्यद मतीन अहमद
राज्य हिंदी संसाधक, आंध्र प्रदेश

कुमारी ऋतु भसीन
राज्य हिंदी संसाधक, आंध्र प्रदेश

डॉ. शेख़ अब्दुल ग़नी
जिला हिंदी संसाधक, नलगोंडा

श्री जी. तिरुपति रेड्डी
राज्य हिंदी संसाधक, आंध्र प्रदेश

श्रीमती जी. किरण
राज्य हिंदी संसाधक, आंध्र प्रदेश

श्री मोहम्मद उमर अली
राज्य हिंदी संसाधक, आंध्र प्रदेश

श्री मोहम्मद अज़मत खान
हिंदी अध्यापक, रंगारेड्डी

श्री सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'
राज्य हिंदी संसाधक, आंध्र प्रदेश

डॉ. राजीव कुमार सिंह
राज्य हिंदी संसाधक, आंध्र प्रदेश

डॉ. सैयद एम. एम. वजाहत
राज्य हिंदी संसाधक, आंध्र प्रदेश

श्रीमती बी. वी. शारदा देवी
जिला हिंदी संसाधक, पूर्व गोदावरी

श्रीमती जयश्री लोहारेकर
राज्य हिंदी संसाधक, आंध्र प्रदेश

श्री मोहम्मद उसमान
राज्य हिंदी संसाधक, आंध्र प्रदेश

श्रीमती कविता
राज्य हिंदी संसाधक, आंध्र प्रदेश

श्री मोहम्मद कलीम
राज्य हिंदी संसाधक, आंध्र प्रदेश

डॉ. पठान रहीम खान
सहायक आचार्य, मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू विश्वविद्यालय

चित्रांकन

श्री बीरा श्रीनिवास
खम्मम, आंध्र प्रदेश

श्री वड्डेपल्ली वेंकटेशम
नलगोंडा, आंध्र प्रदेश

श्री कुरेल्ला राघवचारी
नलगोंडा, आंध्र प्रदेश

श्री टी. वी. राधाकृष्णा
मेदक, आंध्र प्रदेश

श्री चेंचला वेंकटरमणा
नलगोंडा, आंध्र प्रदेश

डी. टी. पी. एवं लेआउट : श्रीमती एन. हेमलता

© SCERT not to be republished

Free Distribution by A.P. Government

आमुख

आंध्र प्रदेश में हिंदी भाषा शिक्षण द्वितीय भाषा के रूप में छठवीं कक्षा से आरंभ किया जाता है। इस स्तर पर बालकों की आयु प्रायः ग्यारह-बारह वर्ष की होती है। इस आयु में बालक भाषा का अर्थ और महत्व समझते तो हैं ही, साथ-साथ अपनी मातृभाषा व अंग्रेज़ी की भी जानकारी रखते हैं। इतना ही नहीं वे अपने अड़ोस-पड़ोस से भी कुछ हिंदी भाषा के शब्द सीख लेते हैं। हमें ज्ञात है कि बालक भाषा अधिगम साधारणतया सहज व व्यावहारिक रूप में करते हैं। इन बातों व एनसीएफ-2005, आरटीई-2009, एससीएफ-2010 एवं आधार पत्र-2011 के सुझावों को ध्यान में रखते हुए इस पाठ्य-पुस्तक का सृजन किया गया है।

त्रिभाषा सूत्र के अनुसार बालकों को माध्यमिक स्तर पर कम-से-कम तीन भाषाओं का ज्ञान कराना है। इस उद्देश्य से बालकों को छठवीं से दसवीं कक्षा तक द्वितीय भाषा के रूप में हिंदी सिखाना है। छठवीं कक्षा में हिंदी शिक्षण का आरंभ होता है। इस स्तर पर छात्रों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न कराना, छात्रों को जिज्ञासु बनाना व सहज, व्यावहारिक एवं मनोरंजक रूप से भाषार्जन के लिए प्रेरित करना हिंदी शिक्षण के उद्देश्य रहे हैं।

इस पाठ्य-पुस्तक में रंग-बिरंगे चित्र, बालगीत, छोटे संभाषण, चित्रपठन, चित्रकथा, पठन पाठ, रोचक कहानियाँ आदि को स्थान दिया गया है। इनके अभ्यास सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना के अंतर्गत दिये गये हैं। इन्हें बालकों के व्यावहारिक जीवन से जोड़ा गया है। इनके द्वारा छात्रों में, सोच-विचार कर उत्तर देना, तुलना कर निष्कर्ष निकालने और नवीन ज्ञान का संबंध पूर्व ज्ञान से जोड़ने की प्रवृत्ति का विकास होता है। इससे बालक को सृजनशीलता के भरपूर अवसर मिलते हैं। वे अर्जित ज्ञान के आधार पर नवीन ज्ञान की रचना करते हैं। ये अभ्यास पूर्णतः सहज व व्यावहारिक रूप से भाषार्जन करने में सहायक हैं।

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद उन समस्त रचनाकारों के प्रति आभार व्यक्त करती है, जिनकी रचनाएँ पुस्तक में शामिल की गयी हैं। रचनाओं के प्रकाशनार्थ अनुमति देने के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली तथा अन्य सभी राज्य परिषदों, जिन्होंने इस पुस्तक को साकार रूप देने में सहयोग दिया है, उनके प्रति हम आभार प्रकट करते हैं।

श्रीमती बी. शेषु कुमारी
निदेशक
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद
आंध्र प्रदेश, हैदराबाद

अध्यापकों के लिए सूचनाएँ

* इस पाठ्य-पुस्तक में 18 पाठ हैं। इन्हें चार इकाइयों में विभाजित किया गया है। इन्हें निर्धारित वार्षिक पाठयोजना के अनुसार पढ़ायें।
* इस पाठ्य-पुस्तक में अपेक्षित कौशलों व सामर्थ्यों की सूची दी गयी है। इसी के आधार पर छात्रों में दक्षताओं का विकास करने पर ध्यान दें।
* पाठ्य-पुस्तक में पाठ संबंधी चित्र दिये गये हैं। इनके माध्यम से बच्चों से बातचीत करवायें। दिये गये प्रश्नों के आधार पर बालकों को विविध दृष्टिकोण से सोचने का अवसर दें।
* पाठ का अध्यापन संदर्भोचित चित्र या प्रस्तावना चित्र से आरंभ हुआ है। इनसे संबंधित विचारशील प्रश्न पूछें। बालगीत, कविता आदि श्यामपट पर लिखें, पढ़ें, पढ़वायें, सुनायें। अभिनययुक्त पठन-पाठन करवायें।
* हर पाठ के अभ्यास में सुनना, बोलना, पढ़ना और लिखना कौशलों से संबंधित अभ्यासों के साथ-साथ शब्द-भंडार, भाषा की बात, सृजनात्मक, अभिव्यक्ति से संबंधित अभ्यास भी दिये गये हैं। इन सभी का सदुपयोग कर, छात्रों में भाषागत कौशलों व विविध दक्षताओं का समुचित विकास करने का प्रयास करें। बालगीत या वार्तालाप या कहानी आदि पाठों के लिए सुनने-बोलने संबंधी क्रियाएँ कक्षा में सामूहिक रूप से करवायें। सबको स्वतंत्र व सहज रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित करें।
* पढ़ना-लिखना अभ्यास कार्य छात्रों को समूहों में बाँटकर करवायें, जिससे उनमें सामूहिक रूप से कार्य करने की प्रवृत्ति का विकास हो। इन अभ्यास कार्यों के निर्देश छात्रों को भली-भाँति समझने का अवसर दें, जिससे वे स्वयं अभ्यास कर सकें।
* इस पाठ्य-पुस्तक में ही अभ्यास पुस्तिका निहित है। अतः इसके साथ-साथ छात्रों के पास एक कक्षा कार्य पुस्तिका हो जिसमें वे पाठ संबंधी लेखन कार्य कर सकें।
* इसमें वर्ण सीखने की प्रक्रिया संदर्भ, वाक्य, शब्द, अक्षर के क्रम में है। इसलिए वर्ण वर्णमाला के क्रम में नहीं हैं। सीखे गये वर्णों को वर्णमाला चार्ट में पहचानने के अभ्यास दिये गये हैं ताकि छात्रों को वर्णमाला के क्रम का परिचय हो।
* इस पाठ्य-पुस्तक में बालक के व्यावहारिक जीवन में आनेवाली शब्दावली का प्रयोग किया गया है। इस पर ध्यान देते हुए भाषा-अधिगम की प्रक्रिया का संबंध बालक के जीवन से जोड़ें ताकि बालक सरलता से भाषागत विकास कर सकें।
* यह पुस्तक बालक को पुस्तकालय की विविध पुस्तकें पढ़ने के लिए प्रेरणा देती है। अतः इस दिशा में बालकों को प्रेरित करें।
* प्रत्येक इकाई में पठन हेतु एक पाठ भी दिया गया है। इसके द्वारा छात्र स्वयं उसका पठन करके आत्मसात करने की क्षमता का विकास कर सकें। इस संदर्भ में अध्यापक छात्रों का सहयोग व मार्गदर्शन करें।
* विविध पाठों के आधार पर संदर्भानुसार छात्रों को मानव मूल्य, पर्यावरण, शांति, अहिंसा, संवैधानिक मूल्य आदि का व्यावहारिक प्रशिक्षण दें, जिससे छात्र आदर्श नागरिक बन सकें।

© SCERT not to be republished

Free Distribution by A.P. Government

क्या कहाँ है?

इकाई	क्र. सं.	पाठ का नाम	विधा	माह	पृष्ठ सं.
I.	1.	मन करता है	कविता	जून	01
	2.	सच्चा दोस्त	कहानी	जून	05
		अगर पेड़ भी चलते होते	पठन हेतु	जून	12
	3.	कंजूस सेठ	कहानी	जुलाई	13
	4.	हिंदी दिवस	संवाद	जुलाई	19
II.	5.	आसमान गिरा	कहानी	अगस्त	25
	6.	छुट्टी पत्र	पत्र लेखन	अगस्त	31
		चूहे को मिली पेंसिल	पठन हेतु	अगस्त	35
	7.	स्वच्छता और स्वास्थ्य	निबंध	सितंबर	37
	8.	हमारे त्यौहार	संवाद	अक्तूबर	43
III.	9.	बादल	कहानी	नवंबर	49
		पहेली पहचानो	पठन हेतु	नवंबर	55
	10.	चारमीनार	कविता	नवंबर	56
	11.	गुसाडी	निबंध	दिसंबर	61
	12.	कबीर के दोहे	कविता	दिसंबर	67
	13.	प्यारी बिटिया	कविता	दिसंबर	72
IV.	14.	साथी की सहायता	कहानी	जनवरी	77
	15.	साहसी सुनीता	कहानी	जनवरी	83
		बिल्ली कैसे रहने आयी आदमी के संग	पठन हेतु	जनवरी	88
	16.	अपना प्यारा भारत देश	कविता	फरवरी	92
	17.	आत्मविश्वास	कहानी	फरवरी	97
	18.	घंटे की आवाज़	चित्र कथा	फरवरी	103
		नन्हा मुन्ना राही हूँ	पठन हेतु	फरवरी	108

ये पाठ केवल पढ़ने के लिए हैं।

© NCERT not to be republished

वंदेमातरम्

वंदेमातरम् वंदेमातरम्
सुजलाम् सुफलाम् मलयज शीतलाम्
सस्यश्यामलम् मातरम् वंदेमातरम्
शुभ्रज्योत्सना पुलकित यामिनी
पुल्ल कुसुमिता द्रुमदल शोभिनी
सुहासिनी सुमधुर भाषिणी
सुखदाम् वरदाम् मातरम्
वंदेमातरम्

© SCERT not to be republished

Free Distribution by A.P. Government

राष्ट्र-गान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे!
भारत भाग्य विधाता।
पंजाब, सिंधु, गुजरात, मराठा,
द्राविड़, उत्कल बंग।
विंध्य, हिमाचल, यमुना, गंगा
उच्छल जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे।
तव शुभ आशीष मांगे,
गाहे तव जय गाथा!
जन-गण-मंगलदायक जय हे!
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे! जय हे! जय हे!
जय, जय, जय, जय हे!

प्रतिज्ञा

भारत मेरा देश है और समस्त भारतीय मेरे भाई-बहन हैं। मैं अपने देश से प्रेम करता हूँ और इससे प्राप्त विशाल एवं विविध ज्ञान-भंडार पर मुझे गर्व है। मैं सर्वदा इस देश एवं इसके ज्ञान-भंडार के अनुरूप बनने का प्रयास करूँगा। मैं अपने माता-पिता और अध्यापकों तथा समस्त गुरुजनों का आदर करूँगा और प्रत्येक व्यक्ति के प्रति नम्रतापूर्वक व्यवहार करूँगा। मैं जीव-जंतुओं से भी प्रेमपूर्वक व्यवहार करूँगा। मैं अपने देश और उसकी जनता के प्रति अपनी भक्ति की शपथ लेता हूँ। उनके मंगल एवं समृद्धि में ही मेरा सुख निहित है।

© SCERT not to be republished